



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 460]

No. 460]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 17, 2001/भाद्र 26, 1923

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 17, 2001/BHADRA 26, 1923

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 2001

सा.का.नि. 667(अ).—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिन्हें केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात् खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त उपधारा की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके इससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर, उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र की प्रतियां, जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा;

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हों, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली को भेजे जा सकेंगे।

किसी ऐसे आक्षेप या सुझावों पर, जो उक्त प्रारूप नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा;

प्रारूपनियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (—————संशोधन) नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में उनके अन्तिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के परिशिष्ट "ख" में,—

(क) मद क. 08.03 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"क. 08.03 काफी—कासनी संमिश्रण से भुनी हुई और पिसी हुई काफी तथा भुनी हुई और पिसी हुई कासनी को मिला कर तैयार किया गया उत्पाद अभिप्रेत है और वह विकृत गंधित या हानि कर सुवास के बिना अच्छी, सूखी और धूल रहित दशा में होगी। यह एक ऐसे सुखाही चूर्ण के रूप में होगा जिसका रंग, स्थाद, सुवास लक्षण काफी—कासनी चूर्ण का होगा। यह किसी भी अशुद्धता से मुक्त होगा और इसमें कोई अन्य अतिरिक्त पदार्थ नहीं होगा। संमिश्रण में काफी तत्त्व मात्रा के अनुसार 51 प्रतिशत से कम नहीं होंगे। प्रयुक्त काफी और कासनी का प्रतिशत लेबल पर विनियत किया जाएगा जैसाकि, नियम 42 के उपनियम (क) के खंड (i) में उपबंधित है।

यह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप होगा, अर्थात् :—

(i) आर्द्रता	5.0 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।
(ii) शुष्क आधार पर कुल भस्म	3 से 7.50 प्रतिशत होगी।
(iii) शुष्क आधार पर अम्ल अविलेय भस्म	0.6 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।
(iv) शुष्क आधार पर जल में खिलेय पदार्थ	30.0 से 50.0 प्रतिशत होंगे।
(v) शुष्क आधार पर कैफीन तत्व	0.6 प्रतिशत से कम नहीं होंगे।
(vi) जलीय निष्कर्षण	50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा;

(ख) मद क. 08.05 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“क. 08.05 तैयार काफी—चिकोरी मिश्रण से वह उत्पाद अभिप्रेत है जो भुनी हुई तथा पिसी हुई काफी और भुनी हुई तथा पिसी हुई चिकोरी से विनिर्मित की गई है। वह विकृत गंधित या हानिकर सुवास के बिना अच्छी, सूखी और धूल रहित दशा में होगा। यह सुवाही चूर्ण के रूप में होगा जिसका रंग स्वाद और सुवास लक्षण काफी चिकोरी चूर्ण के होंगे। यह किसी भी अशुद्धता से मुक्त होगा और इसमें कोई अन्य अतिरिक्त पदार्थ नहीं होगा। मिश्रण में काफी के तत्व शुष्क आधार पर मात्रा के अनुसार 51 प्रतिशत होंगे।

प्रयुक्त काफी और कासनी का प्रतिशत लेबल पर विनिहत किया जाएगा जैसा कि नियम 42 के उप नियम (क) के खंड (i) में उपलब्धित है।

यह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप होगा, अर्थात् :—

(i) आर्द्रता	4.0 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।
(ii) शुष्क आधार पर कुल भस्म	7.0 से 10.0 प्रतिशत होगी।
(iii) शुष्क आधार पर अम्ल अविलेय भस्म	0.6 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।
(iv) शुष्क आधार पर कैफीन (निर्जल)	1.4 प्रतिशत से कम नहीं होगी।
(v) उबलते जल में खिलेयता	सामान्य रूप से हिलाने से 30 सैकंड में सहज ही घुल जाता है।
(vi) शीतल जल जिसका तापमान 16 ± 2 सेंटीग्रेड है, में खिलेयता	सामान्य रूप से हिलाने से 3 मिनट में खिलता है।

(ग) मद क. 19 में, खंड (vi) का लोप किया जाएगा।

[सं. पी-15014/6/2001-पी.एच. (खाद्य)]

दीपक गुप्ता, संयुक्त सचिव

टिप्पण :—खाद्य अपमिश्रण नवारण नियम, 1955 का, नि.आ. 2105 तारीख 12-9-55 द्वारा भारत के राजपत्र भाग-II, खंड-3 में प्रकाशित किए गए थे और अन्तिम बार सा.का.नि. 320(अ) तारीख 2-5-2001 द्वारा संशोधित किए।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th September, 2001

G.S.R. 667 (E).—The following draft of certain rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, which the Central Government, after consultation with the Central Committee for Food Standards, proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), is hereby published as required by said sub-section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette of India in which this notification is published are made available to the public;

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Secretary, Ministry of Health and Family Welfare, Government of India, Nirman Bhavan, New Delhi-110011.

The objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government

DRAFT RULES

- 1 (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (.. Amendment) Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
2. In Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, in Appendix 'B',—

(a) for item A.08.03, the following shall be substituted, namely :—

A. 08.03 Coffee—Chicory Mixture means the product prepared by mixing roasted and ground coffee and roasted and ground chicory and shall be in a sound, dry and dust free condition with no rancid or abnoxious flavour. It shall be in the form of a free flowing powder having the colour, taste and flavour characteristic of coffee — chicory powder. It shall be free from any impurities and shall not contain any other added substance. The coffee content in the mixture shall not be less than 51 per cent by mass. The percentage of coffee and chicory used shall be marked on the label as provided in clause (i) of sub-rule (A) of rule 42.

It shall conform to the following standards, namely :—

(i) Moisture	Not more than 5.0 per cent.
(ii) Total ash on dry basis	3 to 7.50 per cent.
(iii) Acid insoluble ash on dry basis	Not more than 0.6 per cent.
(iv) Water soluble matter on dry basis	30.0 to 50.0 per cent.
(v) Caffeine content on dry basis	Not less than 0.6 per cent.
(vi) Aqueous extracts	Not more than 50 per cent.”;

(b) for item A. 08.05, the following shall be substituted, namely :—

A. 08.05 - Instant Coffee—Chicory Mixture means the product manufactured from roasted and ground coffee and roasted and ground chicory. It shall be in sound dry and dust free condition with no rancid or abnoxious flavour. It shall be in the form of a free flowing powder having the colour, taste and flavour characteristics of coffee chicory powder. It shall be free from any impurities and shall not contain any other added substance. The coffee content in the mixture shall not be less than 51 per cent by mass on dry basis. The percentage of coffee and chicory used shall be marked on the label as provided in clause (ii) sub-rule (A) of rule 42.

It shall conform to the following standards, namely :—

(i) Moisture	Not more than 4.0 per cent.
(ii) Total Ash on dry basis	7.0 to 10.0 per cent
(iii) Acid insoluble ash on dry basis	Not more than 0.6 per cent.
(iv) Caffeine (anhydrous) on dry basis.	Not less than 1.4 per cent
(v) Solubility in boiling water.	Dissolves readily in 30 seconds with moderate stirring
(vi) Solubility in cold water at $16 \pm 2^{\circ}\text{C}$	Soluble with moderate stirring in 3 minutes”;
(c) in item A. 19, clause (vi) shall be deleted.	

[No. P-15014/6/2001-PH (Food)]

DEEPAK GUPTA, Jt. Secy.

Note.—The Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 were published in Part II, Section 3 of Gazette of India vide S.R.O. 2105 dated 12-9-1955 and were last amended vide G.S.R. No. 320(E) dated 2-5-01

